Appendix 03
Sītā's Thousand Names

सीतासहस्रनामावलि-अध्याय -१४

००१ सहजानन्दिनी। (श्लोक ४)
००२ सीता।
००३ जानकी।
००४ राधिका।
००५ रतिः।
००६ रुक्मिणी। (श्लोक ५)
००७ कमला।
००८ कान्ता।
००९ कान्तिः।
०१० कमललोचना।
०११ किशोरी।
०१२ रामललना।
०१३ कामुकी।
०१४ करुणानिधिः।
०१५ कन्दर्पवर्द्धिनी। (श्लोक ६)
०१६ वीरा।
०१७ वरुणालयवासिनी।
०१८ अशोकवनमध्यस्था।
०१९ महाशोकविनाशिनी।
०२० चम्पकाङ्गी। (श्लोक ७)
०२१ तडित्कान्तिः।
०२२ जाह्नवी।
०२३ जनकात्मजा।
०२४ जानकी।
०२५ जयदा।
०२६ जप्या।
०२७ जयिनी।
०२८ जैत्रपालिका।
०२९ परमा। (श्लोक ८)
०३० परमानन्दा।
०३१ पूर्णिमा।
०३२ अमृतसागरा।
०३३ सूधासूतिः।
०३४ सुधारश्मिः।
०३५ सुधादीपितविग्रहा।
०३६ सुस्मिता। (श्लोक ९)
०३७ सुस्मितमुखी।
०३८ तारका।
०३९ सुखदेक्षणा।
०४० रक्षणी।
०४१ चित्रकूटस्था।
०४२ वृन्दावनमहेश्वरी।
०४३ कन्दर्पकोटिजननी। (श्लोक १०)
०४४ कोटिब्रह्माण्डनायिका।
०४५ शरण्या।
०४६ शारदा।
०४७ श्रीः।
०४८ शरत्कालविनोदिनी।
०४९ हंसी। (श्लोक ११)
०५० क्षीराब्धिवसतिः।
०५१ वासुकी।
०५२ स्थावराङ्गना।
०५३ वराङ्गा।
०५४ उपासनसंस्थाना।
०५५ प्रियभोगविशारदा।
०५६ वसिष्ठविश्ववसिनी। (श्लोक १२)
०५७ विश्वपत्नी[१]। (विश्वः भगवान् 'तस्य पत्नी' इति मथु.)

०५८ गुणोदया।
०५९ गौरी।
०६० चम्पकगात्रा।
०६१ दीपद्योता।
०६२ प्रभावती।
०६३ रत्नमालविभूषा। (श्लोक १३)
०६४ दिव्यगोपालकन्यका।
०६५ सत्यभामा।
०६६ रतिः।
०६७ प्रीता।
०६८ मित्रा।
०६९ चित्तविनोदिनी।
०७० सुमित्रा।
०७१ कौश।
०७२ कैके।
०७३ कुलवर्द्धिनी। (श्लोक १४)
०७४ कुलीना।
०७५ केलिनी।
०७६ दक्षा।
०७७ दक्षकन्या।
०७८ दयावती।
०७९ पार्वती। (श्लोक १५)
०८० शैलवुलजा।
०८१ वंशध्वजपटिः।
०८२ रुचिः।
०८३ रुचिरा।
०८४ रुचिपाङ्गा।
०८५ पर्णरूपा।
०८६ कलावती।
०८७ कोटिब्रह्माण्डलक्ष्मी। (श्लोक १६)
०८८ ईशा।
०८९ स्थानदात्री।
०९० स्थितिः।
०९१ सती।
०९२ अमृता।
०९३ मोदिनी।
०९४ मोदा।
०९५ रत्नाचलविहारिणी।
०९६ नन्दभानुसुता। (श्लोक १७)
०९७ धीरा।
०९८ वंशीखविनोदिनी।
०९९ विजया।
१०० वीजिनी।
१०१ विद्या।
१०२ विद्यादानपरायणा।
१०३ मन्दस्मिता।
१०४ मन्दगतिः।
१०५ मदना।
१०६ मदनातुरा।
१०७ बृंहिणी।
१०८ बृंहती।
१०९ वर्या।
११० वरणीया।
१११ वराङ्गना।
११२ रामप्रिया।
११३ रामरूपा। (श्लोक १९)
११४ रासनृत्यविशारदा।
११५ गान्धर्विका।
११६ गीतरम्या।
११७ सङ्गीतरसवर्द्धिनी।
११८ तालदा। (श्लोक २०)
११९ तालवक्षोजा।
१२० तालभेदनसुन्दरी।
१२१ सरयूतीरसन्तुष्टा।
१२२ यमुनातटसंस्थिता।
१२३ स्वामिनी।
१२४ स्वामिनिरता।
१२५ कौसुम्भवसनामृता।
१२६ मालिनी।
१२७ तुङ्गवक्षोजा।

१२८ फलिनी।
१२९ फलमालिनी।
१३० वैडूर्यहारसुभगा। (श्लोक २२)
१३१ मुक्ताहारमनोहरा।
१३२ किरातीवेशसंस्थाना।
१३३ गुञ्जामणिविभूषणा।
१३४ विभूतिदा। (श्लोक २३)
१३५ विभा।
१३६ वीणा।
१३७ वीणानादविनोदिनी।
१३८ प्रियङ्गुकलिकापाङ्गा।
१३९ कटाक्षा।
१४० गतिगोषिता।
१४१ रामानुरागनिलया। (श्लोक २४)
१४२ रत्नपङ्कजमालिनी।
१४३ विभावा।
१४४ विनयस्था।
१४५ मधुरा।
१४६ पतिसेविता।
१४७ शत्रुघ्नवरदात्री। (श्लोक २५)
१४८ रविप्राणमोचिनी[१] (मोक्षिणी अयो.)।
१४९ दण्डकावनमध्यस्था।
१५० बहुलीला।
१५१ विलासिनी।
१५२ शुक्लपक्षप्रिया। (श्लोक २६)
१५३ शुक्ला।
१५४ शुक्लापाङ्गस्वरोन्मुखी।
१५५ कोकिलस्वरकण्ठी।
१५६ कोकिलस्वगायिनी।
१५७ पञ्चस्वरसन्तुष्टा। (श्लोक २७)
१५८ पञ्चवक्त्रप्रपूजिता।
१५९ आद्या।
१६० गुणमयी।
१६१ लक्ष्मीः।
१६२ पद्महस्ता।
१६३ हरिप्रिया।
१६४ हरिणी। (श्लोक २८)
१६५ हरिणाक्षी।
१६६ चकोराक्षी।
१६७ किशोरिका।
१६८ गुणहृष्टा।
१६९ शुरज्ज्योत्सना।
१७० स्मितस्नपितविग्रहा।
१७१ विरजा। (श्लोक २९)
१७२ सिन्धुगमनी।
१७३ गङ्गासागरयोगिनी।
१७४ कपिलाश्रमसंस्थाना।
१७५ योगनी।
१७६ परमाकला।
१७७ खेचरी। (श्लोक ३०)
१७८ भूचरी।
१७९ सिद्धा।
१८० वैष्वी।
१८१ वैष्णवप्रिया।
१८२ ब्राह्मी।
१८३ माहेश्वरी।
१८४ तिग्मा।
१८५ दुर्वारबलविभ्रमा।
१८६ रक्तांशुकप्रिया। (श्लोक ३१)
१८७ रक्ता।
१८८ नवविद्रुमहारिणी।
१८९ हरिप्रिया।
१९० ह्रीस्वरूपा।
१९१ हीनभक्तविवर्द्धनी।
१९२ हिताहितगतिज्ञा। (श्लोक ३२)
१९३ माधवी।
१९४ माधवप्रिया।
१९५ मनोज्ञा।
१९६ मदनोन्मत्ता।
१९७ मदमात्सर्यनाशिनी।

१९८ नि:सपत्नी। (श्लोक ३३)
१९९ निरुपमा।
२०० स्वाधीनपतिका।
२०१ परा।
२०२ प्रेमपूर्णा।
२०३ सप्रणया।
२०४ जनकोत्सवदायिनी।
२०५ वेदिमध्या। (श्लोक ३४)
२०६ वेदिजाता।
२०७ त्रिवेदी।
२०८ वेदभारती।
२०९ गीर्वाणगुरुपत्नी।
२११ नक्षत्रकुलमालिनी।
२११ मन्दापुष्पस्तबका। (श्लोक ३५)
२१२ मन्दा।
२१३ अक्षनयनवर्द्धिनी।
२१४ सुभगा।
२१५ शुभरूपा।
२१६ सुभाग्या।
२१७ भाग्यवर्द्धिनी।
२१८ सिन्दूरराङ्कितमाला। (श्लोक ३६)
२१९ मल्लिकादामभूषिता।
२२० तङ्गस्तनी।
२२१ तुङ्गनामा।
२२२ विशालाक्षी।
२२३ विशल्यका।
२२४ कल्याणी।
२२५ कल्मषहा।
२२६ कृपापूर्णा।
२२७ कृपानदी।
२२८ क्रियावती।
२२९ वेदवती।
२३० मन्त्रणी।
२३१ मन्त्रनायिका।
२३२ कैशोरवेशसुभगा। (श्लोक ३८)
२३३ रघुवंशविवर्द्धिनी।
२३४ राघवेन्द्रप्रणयिनी।
२३५ राघवेन्द्रविलासिनी।
२३६ तरुणी। (श्लोक ३९)
२३७ तिग्मदा।
२३८ तन्वी।
२३९ त्राणा।
२४० तारुण्यवर्द्धिनी।
२४१ मनस्विनी।
२४२ महामोदा।
२४३ मीनाक्षी।
२४४ मानिनी।
२४५ मनु:।
२४६ आग्नेयी। (श्लोक ४०)
२४७ इन्द्राणिका (अग्राह्मी)।
२४८ रौद्री।
२४९ वारुणी।
२५० वशवर्तिनी।
२५१ वीतरागा।
२५२ वीतरति:।
२५३ वीतशोका।
२५४ वरोरुका।
२५५ वरदा।
२५६ वरसंसेव्या।
२५७ वरज्ञा।
२५८ वरकाङ्क्षिणी।
२५९ फुल्लेन्दीवरदामा।
२६० वृन्दा।
२६१ वृन्दावती।
२६२ प्रिया।
२६३ तुलसीपुष्पसंकाशा। (श्लोक ४२)
२६४ तुलसीमाल्यभूषिता।
२६५ तुलसीवनसंस्थाना।
२६६ तुलसीवनमन्दिरा।
२६७ सर्वाकारा। (श्लोक ४३)

२६८ निराका। (नित्याकारा)
२६९ रूपलावण्यवर्द्धिनी।
२७० रूपिणी।
२७१ रूपिका।
२७२ रम्या।
२७३ रमणीया।
२७४ रमात्मिका।
२७५ वैकुण्ठपतिपत्नी। (श्लोक ४४)
२७६ वैकुण्ठप्रियवासिनी।
२७७ बद्रिकाश्रमसंस्था।
२७८ सर्वसौभाग्यमण्डिता।
२७९ सर्ववेदान्तगम्या। (श्लोक ४५)
२८० निष्कला।
२८१ परमाकला।
२८२ कलाभासा।
२८३ तरीया।
२८४ तुरीयाश्रममण्डिता।
२८५ रक्तोष्ठी। (श्लोक ४६)
२८६ प्रिया।
२८७ रामा।
२८८ रागिनी।
२८९ रागवर्द्धिनी।
२९० नीलांशुकपरीधाना।
२९१ सुवर्णकलिकाकृतिः।
२९२ कामकेलिविनोदा। (श्लोक ४७)
२९३ सुरतानन्दवर्द्धिनी।
२९४ सावित्री।
२९५ व्रतधर्त्री।[१] व्रतधात्री–अयो.यदु.
२९६ करामलकनायका।
२९७ मराला। (श्लोक ४८)
२९८ मोदिनी।
२९९ प्राज्ञा।
३०० प्रभा।
३०१ प्राणप्रिया।
३०२ परा।
३०३ पुनाना।
३०४ पुण्यरूपा।
३०५ पुण्यदा।
३०६ पूर्णिमात्मिका।
३०७ पूर्णाकरा। (श्लोक ४९)
३०८ व्रजानन्दा।
३०९ व्रजवासा।
३११ व्रजेश्वरी।
३११ व्रजराजसुताधारा।
३१२ धारापीयूषवर्षिणी।
३१३ राकापतिमुखी। (श्लोक ५०)
३१४ मग्ना।
३१५ मधुसूदनवल्लभा।
३१६ वीरिणी।
३१७ वीरपत्नी।
३१८ वीरचारित्रवर्द्धिनी।
३१९ धम्मिल्लमल्लिकापुष्पा। (श्लोक ५१)
३२० माधुरी।
३२१ ललितालया
३२२ वासन्ती।
३२३ बर्हभूषा।
३२४ बर्होत्तंसा।
३२५ विलासिनी।
३२६ बर्हिणी।
३२७ बहुदा।
३२८ बह्वी।
३२९ बाहुवल्ली।
३३० मृणालिका।
३३१ शुकनासा।
३३२ शुद्धनासा।
३३३ शुद्ध–रूपा
३३४ गिरीश्वरर्द्धिता।
३३५ नन्दिनी।
३३६ सुदन्ता।
३३७ वसुधा।

३३८ चित्तनन्दिनी।
३३९ हेमसिंहासनस्थाना।
३४० चामरद्वयवीजिता।
३४१ छत्रिणी। (श्लोक ५४)
३४२ छत्ररम्या।
३४३ महासाम्राज्यसर्वदा।
३४४ संपन्नदा।
३४५ भवानी।
३४६ भवभीतिविनाशिनी।
३४७ द्राविडी।
३४८ द्रविडस्थाना।
३४९ आन्ध्री।
३५० कर्णाटनागरी।
३५१ महाराष्ट्रैकविषया।
३५२ उपग्देशनिवासिनी।
३५३ सुजङ्घा। (श्लोक ५६)
३५४ पङ्कजपदा।
३५५ गुप्तगुल्फा।
३५६ गुरुप्रिया।
३५७ रक्तकाञ्चीगुणकटिः।
३५८ सुरुपा।
३५९ बहुरूपिणी।
३६० सुमध्या। (श्लोक ५७)
३६१ तरुणश्रीः।
३६२ वलित्रयविभूषिता।
३६३ गर्विणी।
३६४ इन्दिता। (श्लोक ६०)
३६५ परमश्रीका।
३६६ सुश्रीः।
३६७ शैशवशोभिता।
३६८ शमीवृक्षाश्रया।
३६९ श्रेणी।
३७० शमिनी।
३७१ शान्तिदा।
३७२ शमा।
३७३ कुञ्जेश्वरी। (श्लोक ६१)
३७४ कुञ्जगेहा।
३७५ कुञ्जदेवता।
३७६ कलविङ्ककुलप्रीता।
३७७ पादाङ्गुलिविभूषिता।
३७८ वसुदा। (श्लोक ६२)
३७९ वसुपत्नी।
३८० वीरसुः।
३८१ वीखर्द्धिनी।
३८२ सप्तशृङ्गकृतस्थाना।
३८३ कृष्णा।
३८४ कृष्णप्रिया।
३८५ प्रिया।
३८६ गोपीजनगोत्साहा। (श्लोक ६३)
३८७ गोपगोपालमण्डिता।
३८८ गोवर्द्धनधरा।
३८९ गोपी।
३९० गोधनप्रणयाश्रया।
३९१ दधिविक्रयकर्त्री। (श्लोक ६४)
३९२ दानलीलाविशारदा।
३९३ विजना।
३९४ विजनप्रीता।
३९५ विधिजा।
३९६ विधुजा।
३९७ विधा।
३९८ अद्वैता। (श्लोक ६५)
३९९ द्वैतविच्छिन्ना।
४०० रामतादत्मरूपिणी।
४०१ कृपारूपा।
४०२ निष्कलङ्का।
४०३ काञ्चनासनसंस्थिता।
४०४ महार्हरत्नपीठस्था। (श्लोक ६६)
४०५ राजलक्ष्मी।
४०६ रजोगुणा।
४०७ रक्तिका।

४०८ रक्तपुष्पा।
४०९ ताम्बूलीदलचर्विणी।
४१० विम्बोष्ठी। (श्लोक ६७)
४११ व्रीडिता।
४१२ व्रीडा।
४१३ वनमालविभूषणा।
४१४ वनमालैकमध्यस्था।
४१५ रामदोर्दण्डसङ्गिनी।
४१६ खण्डिता।
४१७ विजितक्रोधा।
४१८ विप्रलब्धा।
४१९ समुत्सुका।
४२० [1]अशोकवाटीकादेवी।
४२१ कुञ्जकान्तिविहारिणी।
४२२ मैथिली। (श्लोक ६९)
४२३ मिथिलाकारा।
४२४ मैथिलैकहितप्रदा।
४२५ वाग्वती।
४२६ शैलजा।
४२७ शिप्रा।
४२८ महाकालवनप्रिया।
४२९ रेवा। (श्लोक ७०)
४३० कल्लोलसुरता।
४३१ सत्यरूपा।
४३२ सदार्चिता।
४३३ सभ्या।
४३४ सभावती।
४३५ सुभ्रूः।
४३६ कुरङ्गाक्षी।
४३७ शुभानना।
४३८ मायापुरी। (श्लोक ७१)
४३९ अयोध्या।
४४० रङ्गधामनिवासिनी।

[1] कुतं – अयो, रीवां.

४४१ मुग्धा।
४४२ मुग्धगतिः।
४४३ मोदा।
४४५ प्रमोदा।
४४४ परमोन्नता।
४४५ कामधेनुः।
४४६ कल्पवल्ली।
४४७ चिन्तामणिगृषाङ्गणा।
४४८ हिन्दोलिनी।
४४९ महाकेलिः।
४५० सखीगणविभूषिता।
४५१ सुन्दरी।
४५२ परमोदारा।
४५३ रामसान्निध्यकारिणी।
४५४ रामार्द्धाङ्गा।
४५५ महालक्ष्मीः।
४५६ प्रमोदनवनवासिनी।
४५७ विकुण्ठा।
४५८ अपत्यमुदिता। (श्लोक ७४)
४५९ परदारप्रिया।
४६० प्रिया।[2]
४६१ रामकैङ्कर्यनिरता।
४६२ जम्भजित्य।
४६३ करवीजिता।
४६४ कदम्बकाननस्था। (श्लोक ७५)
४६५ कदम्बकुलवासिनी।
४६६ कलहंसाकुलरावा।
४६७ राजहंसगतिप्रिय।
४६८ कारण्डवकुलोत्साह। (श्लोक ७६)
४६९ ब्रह्मादिसुरसंस्थिता।
४७० सरसी।
४७१ सरसीकेलिः।
४७२ पम्पाजलविनोदिनी।

[2] ''साहजावरदाप्रिया'' इति शोधितपाठः। (मथु.)

४७३ करिणीयूथमध्यस्था।
४७४ महाकेलिविधायिनी।
४७५ जनस्थानकृतोत्साहा।
४७६ काञ्चनन्यङ्कुवञ्चिता।
४७७ कावेरीजलसुस्नाता।
४७८ तीर्थस्नानकृताश्रया।
४७९ गुप्तमन्त्रा।
४८० गुप्तगतिः।
४८१ गोप्या।
४८२ गोपतिगोपिता।
४८३ गम्भीरावर्तनाभिः।
४८४ नानारसविलम्बिनी।
४८५ शृङ्गाररससालम्बा।
४८६ कादम्बामोदमादिनी।
४८७ कादम्बिनी।
४८९ पानमत्ता।
४९० घूर्णिताक्षी।
४९१ स्खलद्गतिः।
४९२ सुसाध्या। (श्लोक ८०)
४९३ दुःसाध्या।
४९४ दम्भिनी।
४९५ दम्भवर्जिता।
४९६ गुणाश्रया।
४९७ गुणाकारा।
४९८ कल्याणगुणयोगिनी।
४९९ सर्वमाङ्गल्यसम्पन्ना। (श्लोक ८१)
५०० माङ्गल्या।
५०१ मनवल्लभा।
५०२ सुखिता।
५०३ आत्मजनिप्राणा।
५०४ प्राणेशी।
५०५ सर्वचेतना।
५०६ चैतन्यरूपिणी। (श्लोक ८२)
५०७ ब्रह्मरूपिणी।
५०८ मोदवर्द्धिनी।
५०९ एकान्तभक्तसुलभा।
५१० जयदुर्गा।
५११ जयप्रिया।
५१२ हरचापकृतक्रोधा। (श्लोक ८३)
५१३ भङ्गुरोक्षणदायिनी।
५१४ स्थिरा।
५१५ स्थिरगतिः।
५१६ स्थात्री।
५१७ स्थावरस्था।
५१८ वराश्रया।
५१९ स्थावरेन्द्रसुता। (श्लोक ८४)
५२० धन्या।
५२१ धनिनी।
५२२ धनदार्चिता।
५२३ महालक्ष्मीः
५२४ लोकमाता।
५२५ लोकेशी।
५२६ लोकनायिका।
५२७ प्रपञ्चातीतगुणनी। (श्लोक ८५)
५२८ प्रपञ्चातीतविग्रहा।
५२९ प्रब्रह्मस्वरूपा।
५३० नित्या।
५३१ भक्तस्वरूपिणी।
५३२ ज्ञानभक्तिस्वरूपा।
५३३ ज्ञानभवक्तविवर्द्धिनी।
५३४ ब्रह्मसायुज्यसाधुः।
५३५ रामसायुज्यसाधना।
५३६ ब्रह्माकारा। (श्लोक ८७)
५३७ ब्रह्ममयी।
५३८ ब्रह्मविष्णुस्वरूपिणी।
५३९ महाधम्मिल्लशोभा।
५४० कबरीकेशपाशिनी।
५४१ चिन्मयानन्दरूपा। (श्लोक ८८)
५४२ चिन्मयानन्दविग्रहा।
५४३ कैवर्तकुलसम्पत्तिः।

५४४ शवरी।
५४५ परिवारिणी।
५४६ कनकाचलसंस्थाना। (श्लोक ८९)
५४७ गङ्गा।
५४८ त्रिपथगामिनी।
५४९ त्रिपुटा।
५५० विद्या।
५५१ प्रणव।
५५२ अक्षररूपिणी।
५५३ गायत्री।
५५४ मुनिविद्या।
५५५ सन्ध्या।
५५६ पातकनाशिनी।
५५७ सर्वदोषप्रशमनी।
५५८ सर्वकल्याणदायिनी।
५५९ रामरामा। (श्लोक ९१)
५६० मनोरम्या।
५६१ स्वयंलक्ष्म्याक्ष्या।
५६२ स्वसाक्षिणी।
५६३ अनन्तकोटिनामा।
५६४ अनन्तकिटिरूपिणी।
५६५ भूलीला।
५६६ रुक्मिणी।
५६७ राधा।
५६८ रामकेलिविबोधिनी।
५६९ वीरा।
५७० वृन्दा।
४७१ पौर्णमासी।
४७२ विशाखा।
४७३ ललिता।
४७४ लता।
४७५ लावण्यदा। (श्लोक ९३)
४७६ लयाकारा।
४७७ लक्ष्मी।
४७८ लोकानुबन्धिनी।
४७९ सृष्टिस्थितिलयाकारा।
४८० तुर्या।
४८१ तुर्यागतिगावधिः।
४८२ दुर्वासावरलभ्या। (श्लोक ९४)
४८३ विचित्रबलविर्द्धिनी।
४८४ रमणी।
४८५ रामरमणी।
४८६ सारात्सारा।
४८७ परात्परा।